VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

ऑल इंडिया इंटरएक्टिव

भूगोल

टेस्ट सीरीज 2025

प्रारंभ 25 जनवरी

8 टेस्ट | 4 सेक्शन वाइज + 4 फुल लेंथ

ऑल इंडिया टेस्ट

Vision IAS की मुख्य विशेषता है। प्रत्येक वर्ष हजारों छात्र अपने अंकों में सुधार के लिए **इनोवेटिव असेसमेंट सिस्टम™** पर आधारित Vision IAS टेस्ट सीरीज का लाभ उठाते हैं। हम टेस्ट सीरीज को बहुत ही गंभीरता से लेते हैं।

दृष्टिकोण और

हमारा सरल, व्यावहारिक और केंद्रित दृष्टिकोण अभ्यर्थियों को UPSC परीक्षा की मांग को प्रभावी ढंग से समझने में मदद करेगा। हमारी रणनीति निरंतर नवाचार करना है ताकि तैयारी प्रक्रिया को गतिशील बनाए रखा जा सके और मुख्य सक्षमता, समय व संसाधन की उपलब्धता तथा सिविल सेवा परीक्षा की आवश्यकता जैसे कारकों के आधार पर अलग-अलग अभ्यर्थियों पर व्यक्तिगत ध्यान दिया जा सके। हमारा इंटरएक्टिव लर्निंग दृष्टिकोण (अभ्यर्थी विशेषज्ञों से ईमेल / टेलीफोनिक माध्यम से परामर्श ले सकते हैं) अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को लगातार बेहतर बनाएगा और उनकी तैयारी को सही दिशा प्रदान करने में सहायक होगा।

अभ्यर्थियों के

हम अपने अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत शेड्यूलिंग की सुविधा भी देते हैं। वे अपनी परीक्षा की अध्ययन योजना के आधार पर अपनी परीक्षाएं पुनः शेड्यूल कर सकते हैं। इसके अलावा, अभ्यर्थी हमारे किसी भी केंद्र पर आकर परीक्षा दे सकते हैं या अपनी सुविधा के अनुसार किसी भी स्थान पर परीक्षा दे सकते हैं, और मूल्यांकन के लिए अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन की गई प्रतियां अपलोड कर सकते हैं।

मॉक टेस्ट की संख्या:	मॉड्यूल संख्या - 2390	फी स्ट्रक्चर: कुल पाठ्यक्रम फीस (सभी करों सहित)
8	2692	रु. 9000
प्रकृति:	**अभ्यर्थियों के अनुकूल - मॉक टेस्ट की तिथि:** अभ्यर्थियों की मांग पर पुनर्निर्धारित की जा सकती है। **(अभ्यर्थी टेस्ट की निर्धारित तिथि के बाद भी टेस्ट दे सकते हैं, परंतु टेस्ट की तिथि से पूर्व नहीं दे सकते हैं)** अभ्यर्थी Vision IAS के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से टेस्ट पेपर और अध्ययन सामग्री डाउनलोड कर सकते हैं।	

इस टेस्ट सीरीज में अभ्यर्थियों को क्या उपलब्ध कराया

- अभ्यर्थियों के प्रदर्शन विश्लेषण **(इनोवेटिव असेसमेंट प्रणाली)** के लिए लॉगिन आईडी और पासवर्ड
- **समेकित प्रश्न पत्र-सह-उत्तर पुस्तिका (8 मॉक टेस्ट: PDF फाइल्स)**
- विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकित उत्तर पुस्तिका जिसमें उचित फीडबैक, टिप्पणियां और मार्गदर्शन प्रदान किए जाएंगे।
- मॉक टेस्ट पेपर का उत्तर प्रारूप (संक्षिप्तसार)
- मॉक टेस्ट पेपर का विश्लेषण प्रश्नों की कठिनाई के स्तर और प्रकृति के आधार पर किया जाएगा।.
- अन्य आवश्यक अध्ययन सामग्री

इनोवेटिव असेसमेंट सिस्टम:

मॉक टेस्ट पेपर्स की स्टैटिक और डायनामिक क्षमता (स्कोरिंग पोटेंशियल) का मूल्यांकन, अभ्यर्थियों के मैक्रो और माइक्रो प्रदर्शन का विश्लेषण, अनुभागवार (सेक्शन वाइज) विश्लेषण, कठिनाई स्तर का विश्लेषण, ऑल इंडिया रैंक, टॉपर्स के साथ तुलना, भौगोलिक विश्लेषण, एकीकृत स्कोर कार्ड, कठिनाई स्तर और प्रश्नों की प्रकृति इत्यादि के आधार पर मॉक टेस्ट पेपर्स का विश्लेषण।

नोट

- ऑनलाइन/दूरस्थ शिक्षा प्राप्त कर रहे अभ्यर्थी Vision IAS ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से प्रश्न-सह उत्तर पुस्तिका और मॉक टेस्ट पेपरों का उत्तर विश्लेषण (अप्रोच आंसर) डाउनलोड कर सकते हैं।
- प्रश्न-सह उत्तर पुस्तिका, मॉक टेस्ट पेपर का उत्तर विश्लेषण (अप्रोच आंसर) नहीं भेजा जाएगा।
- अन्य आवश्यक सामग्री/संदर्भ सामग्री/सहायक सामग्री केवल पीडीएफ प्रारूप में प्रदान की जाएगी और उसे भेजा नहीं जाएगा।
- टेस्ट परिचर्चा से संबंधित जानकारी अभ्यर्थियों के ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के होम पेज पर दी जाएगी।

DISCLAIMER

- Vision IAS अध्ययन सामग्री केवल व्यक्तिगत उपयोग के लिए है। यदि कोई अभ्यर्थी Vision IAS अध्ययन सामग्री के कॉपीराइट के किसी भी उल्लंघन में संलिप्त पाया जाता है, तो ऐसी स्थिति में अभ्यर्थी का टेस्ट सीरीज में प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।
- अभ्यर्थी को UPSC रोल नंबर और अन्य विवरण **registration@visionias.in** पर उपलब्ध कराने होंगे।
- हमारे पास **नकद में शुल्क भुगतान** की **कोई सुविधा** नहीं है।
- एक बार भुगतान किया गया शुल्क किसी भी परिस्थिति में वापस नहीं किया जाएगा और न ही हस्तांतरित किया जाएगा।
- VISION IAS प्रवेश से संबंधित सभी अधिकार सुरक्षित रखता है।
- VISION IAS को अधिकार है कि यदि आवश्यक हो, तो वह टेस्ट सीरीज के शेड्यूल/टेस्ट लेखन के दिन और समय इत्यादि में कोई भी बदलाव कर सकेगा।
- **Vision IAS के परीक्षा केंद्र बृहस्पतिवार को टेस्ट लेखन के लिए बंद रहेंगे।**

शेड्यूल, विषयवस्तु & संदर्भ स्रोत

टेस्ट संख्या (टेस्ट Code)	तिथि	सम्मिलित टॉपिक	मुख्य (आवश्यक) संदर्भ स्रोत (Selected Chapter by Expert)	सहायक (अतिरिक्त) संदर्भ स्रोत
टेस्ट 1 [3318]	**25 जनवरी, 2025**	1. **भूआकृतिक विज्ञान:** भूआकृतिक विकास के नियंत्रक कारक; अंतर्जात एवं बहिर्जात बल; भूपर्पटी का उद्गम एवं विकास; भू-चुंबकत्व के मूल सिद्धांत; पृथ्वी के अंतरंग (आंतरिक भाग) की प्राकृतिक दशाएं; भू-अभिनति; महाद्वीपीय विस्थापन; समस्थिति; प्लेट विवर्तनिकी; पर्वतोत्पत्ति के संबंध में अभिनव विचार; ज्वालामुखीयता; भूकंप एवं सुनामी, भूआकृति चक्र एवं दृश्यभूमि विकास की संकल्पनाएं; अनाच्छादन कालानुक्रम; जलमार्ग आकृतिविज्ञान; अपरदन पृष्ठ; प्रवणता विकास; अनुप्रयुक्त भूआकृति विज्ञान; भूजलविज्ञान, आर्थिक भूविज्ञान एवं पर्यावरण। 2. **जलवायु विज्ञान:** विश्व के ताप एवं दाब कटिबंध; पृथ्वी का तापीय बजट; वायुमंडल परिसंचरण; वायुमंडल स्थिरता एवं अस्थिरता; भूमंडलीय एवं स्थानीय पवनें; मानसून एवं जेट प्रवाह; वायु राशि एवं वाताग्रजनन, शीतोष्ण एवं उष्णकटिबंधीय चक्रवात; वर्षण के प्रकार एवं वितरण; मौसम एवं जलवायु; कोपेन, थॉर्नवेट एवं त्रेवार्थ का विश्व जलवायु वर्गीकरण; जलीय चक्र; विश्व जलवायु परिवर्तन एवं जलवायु परिवर्तन में मानव की भूमिका एवं अनुक्रिया; अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान एवं नगरी जलवायु। 3. **समुद्र विज्ञान:** अटलांटिक, हिंद एवं प्रशांत महासागरों की तलीय स्थलाकृति; महासागरों का ताप एवं लवणता; ऊष्मा एवं लवण बजट, महासागरीय निक्षेप; तरंग धाराएं एवं ज्वार-भाटा; समुद्रीय संसाधन: जीवीय, खनिज एवं ऊर्जा संसाधन; प्रवाल भित्तियां, प्रवाल विरंजन; समुद्र तल परिवर्तन; समुद्री नियम	» भौतिक भूगोल - **NCERT कक्षा 11** » भौतिक भूगोल **सविन्द्रसिंह;** » सर्टिफिकेट फिजिकल एंड ह्यूमन ज्योग्राफी: **जी. सी. लिओंग**	» जलवायु विज्ञान - **डी.एस.लाल** » समुद्र विज्ञान -**शर्मा एंड वताल** » पारिस्थितिकी और पर्यावरण - **पी.डी. शर्मा** » पर्यावरण भूगोल - **सविंद्र सिंह** » हिंदू का पर्यावरण पर सर्वेक्षण » {समाचार पत्रों और पत्रिकाओं (योजना, इंडियन एक्सप्रेस, हिंदू आदि) से समकालीन विषय}

		एवं समुद्री प्रदूषण। **4. जीव भूगोलः** मृदाओं की उत्पत्ति; मृदाओं का वर्गीकरण एवं वितरण; मृदा परिच्छेदिका; मृदा अपरदन, न्यूनीकरण एवं संरक्षण; पादप एवं जंतुओं के वैश्विक वितरण को प्रभावित करने वाले कारक; वन अपरोपण की समस्याएँ एवं संरक्षण के उपाय; सामाजिक वानिकी; कृषि वानिकी; वन्य जीवन; प्रमुख जीन पूल केन्द्र। **5. पर्यावरणीय भूगोलः** पारिस्थितिकी के सिद्धांत; मानव पारिस्थितिक अनुकूलन; पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण पर मानव का प्रभाव; वैश्विक एवं क्षेत्रीय पारिस्थितिकी परिवर्तन एवं असंतुलन; पारितंत्र, उनका प्रबंधन एवं संरक्षण; पर्यावरणीय निम्नीकरण, प्रबंध एवं संरक्षण; जैव-विविधता एवं संपोषणीय विकास; पर्यावरणीय नीति; पर्यावरणीय संकट एवं उपचारात्मक उपाय; पर्यावरणीय शिक्षा एवं विधान।		
टेस्ट 2 [3319]	**16 फ़रवरी, 2025**	**1. मानव भूगोल में संदर्शः** क्षेत्रीय विभेदन; प्रादेशिक संश्लेषण; द्विभाजन एवं द्वैतवाद; पर्यावरणवाद; मात्रात्मक क्रांति एवं अवस्थिति विश्लेषण; उग्रसुधार, व्यावहारिक, मानवीय एवं कल्याण उपागम; भाषाएं, धर्म एवं धर्मनिरपेक्षता; विश्व के सांस्कृतिक प्रदेश; मानव विकास सूचकांक। **2. आर्थिक भूगोलः** विश्व आर्थिक विकासः माप एवं समस्याएं; विश्व संसाधन एवं उनका वितरण; ऊर्जा संकट; संवृद्धि की सीमाएं; विश्व कृषिः कृषि प्रदेशों की प्रारूपता; कृषि निवेश एवं उत्पादकता; खाद्य एवं पोषण समस्याएं; खाद्य सुरक्षा; दुर्भिक्षः कारण, प्रभाव एवं उपचार; विश्व उद्योग: अवस्थानिक प्रतिरूप एवं समस्याएं; विश्व व्यापार के प्रतिमान।	• भौगोलिक चिंतन का विकास **माजिद हुसैन** • आर्थिक और सामाजिक भूगोल **– मेड सेंपल, रूपा प्रकाशक;** • मानव भूगोल – **माजिद हुसैन** • प्रादेशिक भूगोल – **चंद और पुरी**	• भौगोलिक चिंतन – **सुदीप्त अधिकारी** • भौगोलिक चिंतन– **आर. डी. दीक्षित** • जनसंख्या के आधार पर भूगोल –**आर.सी. चंदना** • आर्थिक भूगोल और मॉडल और सिद्धांतों पर पुस्तकें – **के. सिद्धार्थ** • समाचार पत्रों और पत्रिकाओं (योजना, इंडियन एक्सप्रेस, हिंदू आदि) से समसामयिक विषय

		3. **जनसंख्या एवं बस्ती भूगोलः** विश्व जनसंख्या की वृद्धि और वितरण; जनसांख्यिकी गुण; प्रवासन के कारण एवं परिणाम; अतिरेक-अल्प एवं अनुकूलतम जनसंख्या की संकल्पनाएं; जनसंख्या के सिद्धांत, विश्व की जनसंख्या समस्याएं और नीतियां, सामाजिक कल्याण एवं जीवन गुणवत्ता; सामाजिक पूंजी के रूप में जनसंख्या; ग्रामीण बस्तियों के प्रकार एवं प्रतिरूप; ग्रामीण बस्तियों में पर्यावरणीय मुद्दे; नगरीय बस्तियों का पदानुक्रम; नगरीय आकारिकी; प्रमुख (प्राइमेट) शहर एवं श्रेणी आकार प्रणाली (कोटि आकार नियम) की संकल्पना; नगरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण; नगरीय प्रभाव क्षेत्र; ग्राम-नगर उपांत; अनुषंगी नगर; नगरीकरण की समस्याएं एवं समाधान; नगरों का संपोषणीय विकास। 4. **प्रादेशिक आयोजनः** प्रदेश की संकल्पना; प्रदेशों के प्रकार एवं प्रदेशीकरण की विधियां; वृद्धि केन्द्र तथा वृद्धि ध्रुव; प्रादेशिक असंतुलन; प्रादेशिक विकास कार्यनीतियां; प्रादेशिक आयोजन में पर्यावरणीय मुद्दे; संपोषणीय विकास के लिए आयोजन। 5. **मानव भूगोल में मॉडल, सिद्धान्त एवं नियमः** मानव भूगोल में तंत्र विश्लेषण; माल्थस का, मार्क्स का और जनसांख्यिकीय संक्रमण मॉडल; क्रिस्टॉलर एवं लॉश का केन्द्रीय स्थान सिद्धान्त; पेरॉक्स (पेरू) एवं बूदविए; वॉन थूनेन का कृषि अवस्थिति मॉडल, वेबर का औद्योगिक अवस्थिति मॉडल; रोस्तोव का वृद्धि अवस्था मॉडल; अंतःभूमि (हर्टलैंड) एवं बहिःभूमि (रिमलैंड) सिद्धान्त; अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं एवं सीमांत क्षेत्र के नियम।		

टेस्ट 3 [3320]	**9 मार्च, 2025**	**1. भौतिक विन्यासः पड़ोसी देशों के साथ भारत का अंतरिक्ष संबंध;** संरचना एवं उच्चावच; अपवाह तंत्र एवं जल विभाजक; भू-आकृतिक प्रदेश; भारतीय मानसून एवं वर्षा प्रतिरूप, उष्णकटिबंधीय चक्रवात एवं पश्चिमी विक्षोभ की क्रियाविधि; बाढ़ एवं अनावृष्टि (सूखा); जलवायवीय प्रदेश; प्राकृतिक वनस्पति; मृदा प्रकार एवं उनका वितरण। **2. संसाधनः** भूमि, सतह एवं भौमजल, ऊर्जा, खनिज, जीवीय एवं समुद्री संसाधन; वन एवं वन्य जीवन संसाधन एवं उनका संरक्षण; ऊर्जा संकट। **3. कृषिः** अवसंरचना, सिंचाई, बीज, उर्वरक, विद्युत; संस्थागत कारकः जोत, भू-धारण एवं भूमि सुधार; शस्यन प्रतिरूप, कृषि उत्पादकता, कृषि प्रकर्ष/गहनता, फसल संयोजन, भूमि क्षमता; कृषि एवं सामाजिक वानिकी; हरित क्रान्ति एवं इसकी सामाजिक-आर्थिक एवं पारिस्थितिक विवक्षा; वर्षाधीन खेती का महत्त्व; पशुधन संसाधन एवं श्वेत क्रान्ति; जल कृषि, रेशम कीटपालन, मधुमक्खी पालन एवं कुक्कुट पालन; कृषि प्रादेशीकरण; कृषि जलवायवीय क्षेत्र; कृषि पारिस्थितिक प्रदेश। **4. उद्योगः** उद्योगों का विकास; कपास, जूट, वस्त्रोद्योग, लौह एवं इस्पात, एल्युमिनियम, उर्वरक, कागज, रसायन एवं फार्मास्युटिकल्स, ऑटोमोबाइल, कुटीर एवं कृषि आधारित उद्योगों के अवस्थिति कारक; सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित औद्योगिक संकुल; औद्योगिक प्रादेशीकरण; नई औद्योगिक नीति; बहुराष्ट्रीय कंपनियां एवं उदारीकरण; विशेष आर्थिक क्षेत्र; पारिस्थितिक-पर्यटन समेत पर्यटन। **5. परिवहन, संचार एवं व्यापारः** सड़क, रेलमार्ग, जलमार्ग, हवाई मार्ग एवं पाइपलाइन नेटवर्क एवं प्रादेशिक विकास में उनकी पूरक भूमिका; राष्ट्रीय एवं विदेशी व्यापार वाले पत्तनों का बढ़ता महत्व; व्यापार संतुलन; व्यापार नीति; निर्यात प्रसंस्करण (प्रक्रमण) क्षेत्र; संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी में आया विकास और अर्थव्यवस्था तथा समाज पर उनका प्रभाव; भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम। **नोटः** अभ्यर्थियों को पेपर II अर्थात भारत का भूगोल में शामिल विषयों से संबंधित एक अनिवार्य मानचित्र प्रश्न का उत्तर देना होगा। इन प्रश्नों के लिए किसी भी स्कूल एटलस (ऑक्सफोर्ड/	- भारत का भूगोल - **NCERT** - भारत का भूगोल - **खुल्लर** - भारत सरकार के प्रकाशन विभाग द्वारा- **इंडिया एयर बुक** - मानव भूगोल - **माजिद हुसैन**	- जनसंख्या के आधार पर भूगोल - **आर.सी. चंदना** - कृषि और उद्योग पर- **हिंदू का सर्वेक्षण** - भारत का आर्थिक और व्यावसायिक भूगोल - **शर्मा और कॉउटिन्हो** - भारत का भूगोल: **आर.सी. तिवारी**

		ओरिएंट लॉगमैन) का संदर्भ ले सकते हैं।		
टेस्ट 4 [3321]	**30 मार्च, 2025**	**1. सांस्कृतिक विन्यासः** भारतीय समाज का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य; प्रजातीय, भाषिक एवं नृजातीय विविधताएं; धार्मिक अल्पसंख्यक; प्रमुख जनजातियां, जनजातीय क्षेत्र तथा उनकी समस्याएं; सांस्कृतिक प्रदेश; जनसंख्या की संवृद्धि, वितरण एवं घनत्व; जनसांख्यिकीय गुण; लिंग अनुपात, आयु संरचना, साक्षरता दर, कार्यबल, निर्भरता अनुपात, आयुकाल; प्रवासन (अंतः प्रादेशिक, प्रदेशांतर तथा अंतर्राष्ट्रीय) एवं इससे जुड़ी समस्याएं, जनसंख्या समस्याएं एवं नीतियां; स्वास्थ्य सूचक। **2. बस्तीः** ग्रामीण बस्ती के प्रकार, प्रतिरूप तथा आकारिकी; नगरीय विकास; भारतीय शहरों की आकारिकी; भारतीय शहरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण; सन्नगर एवं महानगरीय प्रदेश; नगर स्वप्रसार; गंदी बस्ती एवं उससे जुड़ी समस्याएं; नगर आयोजना; नगरीकरण की समस्याएं एवं उपचार। **3. प्रादेशिक विकास एवं आयोजनः** भारत में प्रादेशिक आयोजन का अनुभव; पंचवर्षीय योजनाएं; समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम; पंचायती राज एवं विकेंद्रीकृत आयोजन; कमान क्षेत्र विकास; जल विभाजक प्रबंध; पिछड़ा क्षेत्र, मरुस्थल, अनावृष्टि प्रवण, पहाड़ी, जनजातीय क्षेत्र विकास के लिए आयोजना; बहुस्तरीय नियोजन/योजना; प्रादेशिक आयोजना/योजना एवं द्वीप क्षेत्रों का विकास। **4. राजनैतिक परिप्रेक्ष्यः** भारतीय संघवाद का भौगोलिक आधार; राज्य पुनर्गठन; नए राज्यों का आविर्भाव; प्रादेशिक चेतना एवं अंतर्राज्यीय मुद्दे; भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमा और संबंधित मुद्दे; सीमापार आतंकवाद; वैश्विक मामलों में भारत की भूमिका; दक्षिण एशिया एवं हिन्द महासागर परिमंडल की भू-राजनीति। **5. समकालीन मुद्देः** पारिस्थितिक मुद्देः पर्यावरणीय संकटः भू-स्खलन, भूकंप, सुनामी, बाढ़ एवं अनावृष्टि, महामारी; पर्यावरणीय प्रदूषण से संबंधित मुद्दे; भूमि उपयोग के प्रतिरूप में बदलाव; पर्यावरणीय प्रभाव आकलन एवं प्रबंधन के सिद्धान्त; जनसंख्या विस्फोट एवं खाद्य सुरक्षा; पर्यावरणीय निम्नीकरण,	• भारत का भूगोल - **NCERT** • भारत का भूगोल – **खुल्लर** • **इंडिया इयर बुक-** भारत सरकार के प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित • मानव भूगोल- **माजिद हुसैन;** • प्रादेशिक नियोजन एवं विकास **- चंद एवं पुरी**	• समाचार पत्रों और पत्रिकाओं ***(योजना, इंडियन एक्सप्रेस, हिंदू आदि)*** से समसामयिक विषय • भारत में नगरीकरण और नगरी व्यवस्थाएं **-रामचंद्रन** • भारत का आधुनिक राजनीतिक भूगोल **बी.एल. सुखवाल**

		वनोन्मूलन, मरूस्थलीकरण एवं मृदा अपरदन; कृषि एवं औद्योगिक अशांति की समस्याएं; आर्थिक विकास में प्रादेशिक असमानताएं; संपोषणीय वृद्धि एवं विकास की संकल्पना; पर्यावरणीय संचेतना; नदियों का सहवर्द्धन (संयोजन); भूमंडलीकरण एवं भारतीय अर्थव्यवस्था। **नोट:** अभ्यर्थियों को पेपर II अर्थात भारत का भूगोल में शामिल विषयों से संबंधित एक अनिवार्य मानचित्र प्रश्न का उत्तर देना होगा। इन प्रश्नों के लिए किसी भी स्कूल एटलस (ऑक्सफोर्ड/ओरिएंट लॉगमैन) का संदर्भ ले सकते हैं।		
टेस्ट 5 [3322]	**22 जून, 2025**	**भूगोल पेपर I का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट)**		
टेस्ट 6 [3323]	**6 जुलाई, 2025**	**भूगोल पेपर II का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट)**		
टेस्ट 7 [3324]	**20 जुलाई, 2025**	**भूगोल पेपर I का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट)**		
टेस्ट 8 [3325]	**3 अगस्त, 2025**	**भूगोल पेपर II का संपूर्ण पाठ्यक्रम (फुल लेंथ टेस्ट)**		

उत्तर लेखन कौशल का विकास, उत्तर की संरचना एवं प्रस्तुतिकरण, उत्तर में तथ्यों, जानकारी और ज्ञान को प्रस्तुत करने के तरीके, विभिन्न प्रकार के प्रश्नों में UPSC की वास्तविक मांग (जैसे कि - की वर्ड्स, कॉन्टेक्स्ट और कंटेंट) को समझना तथा अच्छे अंक प्राप्त करने हेतु (रणनीति एवं दृष्टिकोण) प्रश्नों को कैसे अटेम्प्ट किया जाना चाहिए, अपनी वर्तमान तैयारी और आवश्यक कार्य योजनाओं को समझना तथा वास्तविक UPSC परीक्षा के पैटर्न, कठिनाई और समय-सीमा को समझने के लिए अपने मन को तैयार करना।

धारणा या

UPSC मुख्य परीक्षा का पैटर्न बहुत ही डायनामिक और अप्रत्याशित है। इसलिए मॉक टेस्ट पेपर UPSC के नवीनतम पैटर्न के आधार पर तैयार किए जाने चाहिए।

UPSC

UPSC निर्देशों के अनुसार लिखित आईएएस परीक्षा में अभ्यर्थी के प्रदर्शन के आकलन के लिए मानदंड:

"मुख्य परीक्षा का उद्देश्य केवल अभ्यर्थियों की जानकारी और याद रखने की बजाय उनकी समग्र बौद्धिक

उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन की कार्यप्रणाली: हमारे विशेषज्ञ UPSC के क्षेत्र में अपने अनुभव का उपयोग करते हुए निम्नलिखित संकेतकों पर अभ्यर्थी की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन करेंगे।

मूल्यांकन संकेतक
1. संदर्भ संबंधी क्षमता
2. विषय-वस्तु संबंधी क्षमता
3. भाषा संबंधी क्षमता
4. भूमिका संबंधी क्षमता
5. संरचना - प्रस्तुतिकरण संबंधी क्षमता
6. निष्कर्ष संबंधी क्षमता
अंक

स्कोर: स्केल: 1- 5:

5	4	3	2	1
अति उत्कृष्ट	उत्कृष्ट	अच्छा	औसत	खराब

- प्रश्नों की प्रकृति और विशेषज्ञ के UPSC अनुभव के आधार पर प्रत्येक मूल्यांकन संकेतक के भारांश पर उचित विचार के बाद प्रश्न में कुल अंक प्रदान किए जाते हैं।
- किसी भी प्रश्न के लिए प्रत्येक संकेतक का स्कोर अभ्यर्थी के योग्यता संबंधी प्रदर्शन (प्रश्न की गुणवत्ता के स्तर और आवश्यक कार्य योजनाओं को समझने के लिए) को उजागर करेगा।

डिज़ाइन की गई निम्नलिखित क्षमताओं की मूलभूत समझ:

प्रसंग संबंधी क्षमता:

- प्रश्न की मुख्य मांग/विषयवस्तु को समझना अर्थात प्रश्न के संदर्भ की व्यापक समझ विकसित करना। साथ ही, प्रश्न में प्रयोग किए गए 'की वर्ड्स' और 'टेल वर्ड्स' पर ध्यान केंद्रित करके उत्तर को सुव्यवस्थित करना। टेल वर्ड्स जैसे स्पष्ट कीजिए, व्याख्या कीजिए, टिप्पणी कीजिए, परिक्षण कीजिए, समालोचनात्मक परिक्षण कीजिए, चर्चा कीजिए, विश्लेषण कीजिए, समझाइए, समीक्षा कीजिए, तर्क प्रस्तुत कीजिए, औचित्य सिद्ध कीजिए आदि।

विषय-वस्तु संबंधी क्षमता:

- प्रश्न के प्रसंग संबंधी समझ और प्रवाह के अनुसार उत्तर लिखना तथा तदनुसार उदाहरणों, तथ्यों, आंकड़ों, तर्कों, आलोचनात्मक विश्लेषण आदि के माध्यम से उसे प्रमाणित करना।

भाषा संबंधी क्षमता:

- उचित वाक्य निर्माण और सरल अभिव्यक्ति में विषय-वस्तु को व्यवस्थित करना।
- शब्द सीमा बनाए रखने और प्रश्न को समय पर पूरा करने के लिए तकनीकी शब्दों का उचित और सही उपयोग करना।

भूमिका संबंधी क्षमता:

- पृष्ठभूमि, डेटा, संबंधित समसामयिक समाचार आदि देकर उत्तर को आरंभ करने के लिए प्रभावी और प्रासंगिक शुरुआत की आवश्यकता है।

संरचना - प्रस्तुतिकरण संबंधी क्षमता:

- उत्तर में अपेक्षित कनेक्टिविटी और प्रवाह बनाए रखने के लिए प्रश्न के विभिन्न भागों के अनुसार सामग्री को व्यवस्थित करना।
- उत्तर सामग्री को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए हैडिंग और सब-हैडिंग, बुलेट पॉइंट्स, फ्लोचार्ट, आरेख आदि का उपयोग करना।

निष्कर्ष संबंधी क्षमता:

- आगे की राह, नवीन समाधान सुझाते हुए, विभिन्न विचारों/परिप्रेक्ष्यों को संतुलित तरीके से शामिल करते हुए, निष्कर्ष सहित उत्तर को समाप्त करना।

Heartiest

Congratulations

to all Successful Candidates

79 in TOP 100 Selections in CSE 2023 from various programs of Vision IAS

Aditya Srivastava

Animesh Pradhan

Ruhani

Srishti Dabas

Anmol Rathore

Nausheen

Aishwaryam Prajapati

हिंदी माध्यम में 35+ चयन CSE 2023 में

हिंदी माध्यम टॉपर

मोहन लाल

अर्पित कुमार

विपिन दुबे

मनीषा धार्वे

मयंक दुबे

देवेश पाराशर

39 Selections in TOP 50 in CSE 2022

Ishita Kishore

Garima Lohia

Uma Harathi N

HEAD OFFICE
DELHI
Apsara Arcade, 1/8-B 1st Floor, Near Gate-6 Karol Bagh Metro Station

MUKHERJEE NAGAR CENTER
Plot No. 857, Ground Floor, Mukherjee Nagar, Opposite Punjab & Sindh Bank, Mukherjee Nagar

GTB NAGAR CENTER
Classroom & Enquiry Office, above Gate No. 2, GTB Nagar Metro Building, Delhi - 110009

FOR DETAILED ENQUIRY
Please Call: +91 8468022022, +91 9019066066

enquiry@visionias.in | /c/VisionIASdelhi | /visionias.upsc | /vision _ias | VisionIAS_UPSC

अहमदाबाद | बैंगलोर | भोपाल | चंडीगढ़ | गुवाहाटी | हैदराबाद | जयपुर | जोधपुर | लखनऊ | प्रयागराज | पुणे | राँची